महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय,
कला स्नातक : हिन्दी (सेमेस्टर सिस्टम)

2023-24

हिन्दी विभाग
स्नातक पाठ्यक्रम
शैक्षणिक वर्ष – 2023–24

Semester-III										
Paper Code	**Paper Name**	**Code**	**L**	**T**	**P**	**Total Credits**	**Maximum Marks**		**Total marks**	****Minimum Passing Marks (%)**
							Internal Marks	External Marks		
---5SDCT31	Elementary Computer	SDC	2	0	0	2		100		36 Non-CGPA S/NS*
Model 1										
---5SDCT32	Core Course I	DCC	5	1	0	6	30	120	150	36
Total **Credits**						**08**				
Total Mark							**150**			

* एस/एनएस'=संतोषजनक या संतोषजनक नहीं।

- प्रत्येक विद्यार्थी को प्रायोगिक और आन्तरिक परीक्षाओं में अलग–अलग पास होने के लिए 36% अंक प्राप्त करने की आवश्यकता है।
- 30 अंकों के आंतरिक मूल्यांकन के लिए (20 अंकों का लिखित प्रश्नपत्र, 10 अंकों का प्रायोगिक प्रश्नपत्र) (सुझाव : कृपया असाइनमेंट/सेमिनार, तार्किक सोच/आंतरिक मूल्यांकन में ज्ञान और कौशल के परीक्षण को महत्त्व दे।)।

Semester-IV										
Paper Code	**Paper Name**	**Code**	**L**	**T**	**P**	**Total Credits**	**Maximum Marks**		**Total marks**	****Minimum Passing Marks (%)**
							Internal Marks	External Marks		
---5VACT41	Indian Knowledge System(IKS)	VAC	2	0	0	2		100		36 Non-CGPA S/NS*
Model 1										
---5VACT42	Core Course I	DCC	5	1	0	6	30	120	150	36
Total **Credits**						**08**				
Total Mark							**150**			

* एस/एनएस'=संतोषजनक या संतोषजनक नहीं।

- प्रत्येक विद्यार्थी को प्रायोगिक और आन्तरिक परीक्षाओं में अलग–अलग पास होने के लिए 36% अंक प्राप्त करने की आवश्यकता है।

- 30 अंकों के आंतरिक मूल्यांकन के लिए (20 अंकों का लिखित प्रश्नपत्र, 10 अंकों का प्रायोगिक प्रश्नपत्र) (सुझाव : कृपया असाइनमेंट/सेमिनार, तार्किक सोच/आंतरिक मूल्यांकन में ज्ञान और कौशल के परीक्षण को महत्त्व दे।)।

Semester-V										
Paper Code	**Paper Name**	**Code**	**L**	**T**	**P**	**Total Credits**	**Maximum Marks**		**Total marks**	****Minimum Passing Marks (%)**
							Internal Marks	External Marks		
--5.5SDCTT51	Communication Skills	SDC	2	0	0	2		100		36 Non-CGPA S/NS*
Model 1										
--5.5DCTT52	Core Course I	DCC	5	1	0	6	30	120	150	36
Total **Credits**						**08**				
Total Mark							**150**			

* एस/एनएस'=संतोषजनक या संतोषजनक नहीं।

- प्रत्येक विद्यार्थी को प्रायोगिक और आन्तरिक परीक्षाओं में अलग–अलग पास होने के लिए 36% अंक प्राप्त करने की आवश्यकता है।

- 30 अंकों के आंतरिक मूल्यांकन के लिए (20 अंकों का लिखित प्रश्नपत्र, 10 अंकों का प्रायोगिक प्रश्नपत्र) (सुझाव : कृपया असाइनमेंट/सेमिनार, तार्किक सोच/आंतरिक मूल्यांकन में ज्ञान और कौशल के परीक्षण को महत्त्व दे।)।

Semester-VI										
Paper Code	**Paper Name**	**Code**	**L**	**T**	**P**	**Total Credits**	**Maximum Marks**		**Total marks**	****Minimum Passing Marks (%)**
							Internal Marks	External Marks		
--5.5SECT61	Special Elective Courses like *DPR IOJ, CEE, RCC	SEC	2	0	0	2		100		36 Non-CGPA S/NS*
Model 1										
--5.5SECT62	Core Course I	DCC	5	1	0	6	30	120	150	36
Total **Credits**						**08**				
Total Mark							**150**			

* एस/एनएस'=संतोषजनक या संतोषजनक नहीं।

- प्रत्येक विद्यार्थी को प्रायोगिक और आन्तरिक परीक्षाओं में अलग–अलग पास होने के लिए 36% अंक प्राप्त करने की आवश्यकता है।

- 30 अंकों के आंतरिक मूल्यांकन के लिए (20 अंकों का लिखित प्रश्नपत्र, 10 अंकों का प्रायोगिक प्रश्नपत्र) (सुझाव : कृपया असाइनमेंट/सेमिनार, तार्किक सोच/आंतरिक मूल्यांकन में ज्ञान और कौशल के परीक्षण को महत्त्व दे।)।

* डीपीआर = लघुशोध प्रबन्ध/प्रोजेक्ट/फील्ड अध्ययन
* आईओजे = इंटर्नशिप या ऑन–जॉब अनुभव
* सीईई = सामुदायिक संलग्नता अनुभव,
* आरसीसी = रिसर्च क्रेडिट कोर्स

- सेमेस्टर छह में विद्यार्थी का परिणाम पास अथवा फेल प्रायोगिक परीक्षा की भाँति महाविद्यालय द्वारा भेजा जाएगा।

सीबीसीएस (CBCS)
Choice Based Credit System

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय,
कला स्नातक : हिन्दी (सेमेस्टर सिस्टम)

हिन्दी विभाग
स्नातक पाठ्यक्रम
शैक्षणिक वर्ष – 2023–24

अध्ययन एवं परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम योजना

अस्वीकरण : सीबीसीएस पाठ्यक्रम को अकादमिक परिषद और प्रबंधन बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया है। किसी भी जानकारी के लिए कृपया संबंधित संकाय से संपर्क करें।

प्रस्तावना

पाठ्यक्रम सुधारों में वांछित शिक्षण परिणामों को महत्त्वपूर्ण मानते हुए, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 और उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए यूजीसी गुणवत्ता अध्यादेश के अनुरूप स्नातकोत्तर और स्नातक कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम को संशोधित करने का प्रयास किया गया है। पाठ्यक्रम को संशोधित करने की प्रक्रिया एनईपी लागू करने के लिए व्यापक रोडमैप को अपनाने के साथ शुरू की जा सकती है। रोडमैप में नीति की प्रमुख विशेषताओं की पहचान की गई है और प्रमुख शैक्षणिक सुधारों के लिए अच्छी तरह से परिभाषित जिम्मेदारियों और तय समय के साथ कार्य योजना को स्पष्ट किया गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने उच्च शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता को बढ़ाने और पूरे भारत में उच्च शिक्षण संस्थानों (एचआईआई) में न्यूनतम मानकों को लागू करने के इरादे से समय के साथ कई नियम और निर्देश तैयार किए हैं। यूजीसी द्वारा सुझाए गए हाल के शैक्षणिक सुधारों ने उच्च शिक्षा प्रणाली के व्यापक संवर्धन में योगदान दिया है।

एनईपी–2020 की पृष्ठभूमि में, संशोधित पाठ्यक्रम नीति की भावना को स्पष्ट करते हुए निम्नलिखित बिन्दुओं पर जोर है– सीखने के लिए एकीकृत दृष्टिकोण, नवीन शिक्षण और मूल्यांकन रणनीतियाँ; बहु–विषयक और अंतर–विषयक शिक्षा, रचनात्मक और आलोचनात्मक सोच; मूल्य–आधारित पाठ्यक्रमों के माध्यम से नैतिक और संवैधानिक मूल्य, जीवन कौशल, उद्यमशीलता और पेशेवर कौशल के माध्यम से विभिन्न विषयों में 21वीं सदी की क्षमताएँ; सामुदायिक और रचनात्मक सार्वजनिक जुड़ाव, सामाजिक, नैतिक और पर्यावरण जागरूकता, *भारतीय ज्ञान परम्परा* जैसे प्रासंगिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से भारतीय ज्ञान परम्परा, सांस्कृतिक परंपराओं और शास्त्रीय साहित्य से परिचय; सीखने के स्वदेशी और पारंपरिक तरीकों के साथ भारतबोध और आधुनिक शिक्षाशास्त्र का समन्वय, पाठ्यक्रम विकल्पों में लचीलापन, छात्र–केंद्रित भागीदारी, सीखना : अध्ययन के लिए विषयों के रचनात्मक संयोजन को सक्षम करने के लिए कल्पनाशील और लचीली पाठ्यक्रम संरचना, तकनीकी, व्यावसायिक और विज्ञान कार्यक्रमों के लिए उद्योग और उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच घनिष्ठ सहयोग और प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए निर्दिष्ट सीखने के परिणामों, क्षमताओं और स्वभाव के साथ संरेखित किए जाने वाले प्रारंभिक मूल्यांकन उपकरण। विश्वविद्यालय ने प्रत्येक कार्यक्रम के लिए ऑनलाइन शिक्षण और आमने–सामने कक्षाओं के घटक के साथ मिश्रित शिक्षा को अपनाने पर भी आम सहमति विकसित की है।

विकल्प आधारित क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस)

विकल्प आधारित क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस), शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक विश्वविद्यालय संस्थान से दूसरे विश्वविद्यालय संस्थान में छात्रों के स्थानांतरण की सुविधा के लिए शैक्षणिक सुधार प्रक्रिया का एक हिस्सा है, जो शिक्षकों को अपना पाठ्यक्रम तैयार करने और उन्हें शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया में नवाचारों को प्रस्तुत करने और उच्च शिक्षा की समग्र गुणवत्ता को उन्नत करने में सक्षम बनाने के लिए पर्याप्त स्वायत्तता प्रदान करता है। सीबीसीएस एक कैफेटेरिया प्रकार का दृष्टिकोण प्रदान करता है जिसमें छात्र अपनी पसंद के पाठ्यक्रम ले सकते हैं, अपनी गति से सीख सकते हैं, अतिरिक्त पाठ्यक्रम कर सकते हैं और आवश्यक क्रेडिट से अधिक प्राप्त कर सकते हैं, और सीखने के लिए एक अन्तर–अनुशासनीय दृष्टिकोण अपना सकते हैं। ग्रेडिंग प्रणाली को व्यापक रूप से पारंपरिक अंक प्रणाली के बरअक्स एक सुधार के रूप में माना जाता है, यही वजह है कि भारत सहित विदेशों के अग्रणी संस्थानों ने इसे अपनाया है। इस प्रकार यह सुसंगत ग्रेडिंग प्रणाली स्थापित करने के लिए एक मजबूत तर्क है। यह देश और विदेश के संस्थानों के बीच छात्रों की निर्बाध गतिशीलता को सुविधाजनक बनाएगा, साथ ही संभावित नियोक्ताओं को छात्रों के प्रदर्शन का सही आकलन करने की समझ देगा। ग्रेडिंग प्रणाली में वांछित मानकीकरण और छात्रों के परीक्षा परिणामों के आधार पर संचयी ग्रेड प्वाइंट औसत (सीजीपीए) की गणना हेतु, यूजीसी ने व्यापक दिशानिर्देश भी तैयार किए हैं।

पाठ्यक्रम की संरचना : बी.ए. (हिन्दी)

सेमेस्टर III

पाठ्यक्रम कोड : 4.5DCCT14

पाठ्यक्रम का प्रकार : सेमेस्टर III का अनुशासन विशिष्ट कोर कोर्स I

पाठ्यक्रम का शीर्षक : **आधुनिक काव्य**

पाठ्यक्रम का स्तर : NHEQF Lrj 4-5/5/5-5

पाठ्यक्रम का क्रेडिट : 6

पाठ्यक्रम का वितरण : व्याख्यान 5, टयूटोरियल 1

समस्टर III (तृतीय) आधुनिक काव्य

4.5DCCT14

1. Contact Hour/week-06 — लिखित मूल्यांकन : 120
2. Contact Hour/semester-90 — आंतरिक मूल्यांकन : 30
3. Credits Assigned-06 — पूर्णांक : 150

उद्देश्य -

– विद्यार्थी का हिंदी साहित्य की आधुनिक काव्य परंपरा से परिचय बढ़ाना एवं प्रमुख कवियों के सरस काव्यांशों के पठन–पाठन से प्रसूत मानवीय मूल्यों एवं अपनी परंपरा के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं जिज्ञासा भाव के लिए प्रेरित करना।

– आधुनिक काल के प्रमुख हिन्दी कवियों के रचनाकर्म एवं काव्यशास्त्रीय परम्परा का ज्ञान करवाना, जिससे छात्र आधुनिक काव्य की विविध धाराओं एवं रचनाओं को सम्यक् रूप से समझ सके।

परिणाम -

– आधुनिक काव्य के अध्ययनोपंरात छात्र में विचार, वैज्ञानिकता, प्रगतिशीलता और मानवीय मूल्यों के साथ संवेदनात्मक अन्वेषण के गुणों का समुचित विकास होगा। भारतेन्दु से लेकर समकालीन कवि, काव्य परम्परा के सरस काव्यांशों के अध्ययन से आलोचनात्मक विवेक एवं विश्लेषण क्षमता के साथ छात्र में संवेदनशीलता का विस्तार होगा एवं आधुनिक साहित्य की गहरी समझ विकसित होगी।

– छात्र आधुनिक परिस्थितियों का विश्लेषण कर आधुनिक काव्य के माध्यम से समकाल के साथ तादात्म्य स्थापित कर सकेगा। रस, अलंकार, छंद एवं काव्य के सैद्धान्तिक परिचय से उसके साहित्यिक ज्ञान को ठोस आधार प्राप्त होगा।

इकाई– 1

– आधुनिक कविता : भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रयोगवाद, प्रगतिवाद, नई कविता, समकालीन कविता।

– काव्यरूप, बिम्ब, प्रतीक, रस का स्वरूप, निष्पत्ति एवं साधारणीकरण।

– प्रमुख विमर्श : स्त्री, दलित, दिव्यांग

इकाई – 2

– रश्मिरथी : रामधारी सिंह दिनकर, लोकभारती प्रकाशन

इकाई – 3

– भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : चूरण अमल वेद का भारी, निज भाषा उन्नति अहे।

– मैथिलीशरण गुप्त : कैकेयी परिताप, सखि वे मुझसे कहकर जाते, दोनों ओर प्रेम पलता है।

– अयोध्यासिंह उपाध्याय : प्रिय प्रवास : दिवस का अवसान, दुखिया के आँसू, एक बूँद।

– सोहनलाल द्विवेदी : रे मन, खादी गीत, वन्दना।

– श्यामनारायण पाण्डे : हल्दीघाटी, (दूसरा सर्ग)

इकाई –4

– जयशंकर प्रसाद : पेशोला की प्रतिध्वनि, बीती विभावरी, प्रलय की छाया।

– सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला : कौन तुम शुभ्र–किरण वसना ?(गीतिका), जुही की कली (परिमल), संध्या सुन्दरा (अपरा)

– सुमित्रानन्दन पंत : मौन निमंत्रण (पल्लव) एक तारा, नौका विहार (गुंजन)

– महादेवी वर्मा : जो तुम आ जाते एक बार (नीहार), तुम मुझमें प्रिय फिर क्या परिचय (नीरजा), मैं नीर भरी दुःख की बदली (यामा)

– सुभद्राकुमारी चौहान : जीवन फूल, कोयल, उल्लास, इसका रोना

इकाई –5

– अज्ञेय : नदी के द्वीप, कलगी बाजरे की ।

– नरेश मेहता : माँ, वृक्षत्व, किरण धेनुएँ।

– नागार्जुन : प्रेत का बयान, यह दन्तुरित मुस्कान

– भवानीप्रसाद मिश्र : गीत फरोश, कहीं नहीं बचे।

– ओम पुरोहित *कागद* : पूछती है बेकळू, तपस्वी रूंख, क्यों भटकती है, हरा कर देगी, बरसो जल

सन्दर्भ ग्रंथ –

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र
2. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
3. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चनसिंह
4. हिन्दी के प्रतिनिधि आधुनिक कवि – द्वारकाप्रसाद सक्सेना
5. आधुनिक हिन्दी काव्यशिल्प – डॉ. मोहन अवस्थी
6. कविता के नये प्रतिमान – डॉ. नामवर सिंह
7. आधुनिक काव्य की प्रवृत्तियाँ– डॉ. नामवर सिंह
8. जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता – प्रभाकर श्रोत्रिय
9. सुमित्रानन्दन पंत – डॉ. नगेन्द्र
10. निराला की काव्य साधना – रामविलास शर्मा
11. महादेवी का नया मूल्यांकन – डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त
12. महादेवी : दूधनाथ सिंह
13. अज्ञेय की काव्यतितीर्षा – नन्दकिशोर आचार्य
14. छायावाद – डॉ. नामवर सिंह
15. छायावाद की प्रासंगिकता – रमेशचन्द्र शाह
16. नया हिन्दी काव्य – डॉ. शिवकुमार मिश्र
17. नयी कविता – डॉ. देवराज
18. हिंदी कविता आधुनिक और समकालीन – डॉ. वेदप्रकाश अमिताभ
19. आधुनिक हिन्दी कविता – हरदयाल
20. अलंकार पारिजात – नरोत्तमदास स्वामी
21. भारतीय काव्यशास्त्र – बलदेवप्रसाद उपाध्याय
22. राजस्थान का आधुनिक हिन्दी साहित्य – संयुक्त संपादन, राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर

पाठ्यक्रम की संरचना : बी.ए. (हिन्दी)

सेमेस्टर IV

पाठ्यक्रम कोड	: 4.5DCCT15
पाठ्यक्रम का प्रकार	: सेमेस्टर IV का अनुशासन विशिष्ट कोर कोर्स I
पाठ्यक्रम का शीर्षक	: **कथा साहित्य**
पाठ्यक्रम का स्तर	: NHEQF Lrj 4-5/5/5-5
पाठ्यक्रम का क्रेडिट	: 6
पाठ्यक्रम का वितरण	: व्याख्यान 5, टयूटोरियल 1

सेमेस्टर : IV (चार)

कथा साहित्य

4.5DCCT15

1. Contact Hour/week-06	लिखित मूल्यांकन : 120
2. Contact Hour/semester-90	आंतरिक मूल्यांकन : 30
3. Credits Assigned-06	पूर्णांक : 150

Paper Code- HIN 4.5 DCC 15

उद्देश्य -

– विद्यार्थी को हिंदी साााहित्य की उपन्यास एवं कथा साहित्य के इतिहास एवं परंपरा से परिचय करवाना एवं प्रमुख उपन्यासकारों और कहानीकारों के पठन–पाठन से अस्तित्व एवं जीवन के प्रति जागरूकता एवं सह–सम्बन्ध विकसित करना।

– आधुनिक काल के प्रमुख हिन्दी उपन्यासकार जैनेन्द्र एवं विविध कहानीकारों के रचना कर्म एवं विधा के सैद्धान्तिक ज्ञान का बोध करवाना, जिससे छात्र आधुनिक रचनाकार की रचना प्रक्रिया के साथ रचनाओं के मर्म को सम्यक् रूप से समझ सके।

परिणाम -

– उपन्यास एवं कहानियों के अध्ययनोपरांत छात्र में आधुनिक काल से लेकर समकालीन कथा परम्परा के प्रमुख पड़ावों के अध्ययन से आलोचनात्मक विवेक एवं विश्लेषण क्षमता के साथ छात्र में संवेदनशीलता का विस्तार होगा एवं साहित्य की गहरी समझ विकसित होगी।

– छात्र आधुनिक जीवन की जटिल परिस्थितियों का विश्लेषण कर उपन्यास एवं कथा के माध्यम से समकालीन जीवन के साथ तादात्म्य स्थापित कर सकेगा। मानवीय सम्बन्धों की परस्पर समस्यात्मकता के अन्तर्द्वन्द्व का ज्ञान प्राप्त कर सकेगा।

इकाई – 1

उपन्यास एवं कहानी : अर्थ, अभिप्रेत, स्वरूप, तत्त्व, उद्भव एवं विकास एवं प्रमुख रचनाकारों का परिचय।

इकाई – 2

उपन्यास : त्यागपत्र : जैनेन्द्र कुमार, सेतु प्रकाशन

इकाई – 3

उसने कहा था / चन्द्रधर शर्मा गुलेरी

आकाशदीप / जयशंकर प्रसाद

पाजेब /जैनेन्द्र

शरणदाता/अज्ञेय

इकाई –4

चीफ की दावत / भीष्म साहनी

गदल / रांगेय राघव

अकेली / मन्नू भण्डारी

गलत होता पंचतंत्र / राजी सेठ

इकाई –5

जिन्दगी और जोंक / अमरकांत

फैसला / मैत्रेयी पुष्पा

स्नेहबंध / मालती जोशी

फुलवा / रत्नकुमार सांभरिया

संदर्भ –

1. बीसवीं शताब्दी का हिन्दी साहित्य – लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
2. हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ– जयकिशन प्रसाद
3. हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. उपन्यास एवं हिन्दी आलोचना – शंभुनाथ मिश्र
5. उपन्यास : स्वरूप और संवेदना – राजेन्द्र यादव
6. हिन्दी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा – डॉ.रामदरश मिश्र
7. उपन्यास : स्थिति और गति – चंद्रकांत म. बांदिवडेकर
8. उपन्यास और लोकजीवन – रैल्फ फॉक्स (अनुवादक : नरोत्तम नागर)
9. उपन्यास का शिल्प – गोपाल राय

10. हिन्दी उपन्यास – डॉ.प्रियदर्शिनी

11. हिन्दी कहानियों का शिल्प – लक्ष्मीनारायण लाल

12. कहानी : नई कहानी – नामवर सिंह

13. हिन्दी कहानी का विकास – मधुरेश

14. समकालीन कथा साहित्य की सरहदें – रोहिणी अग्रवाल

15. हिन्दी कहानी वाया आलोचना – सम्पादक नीरज खरे

16. आज की कहानी : विजयमोहन सिंह

17. समकालीन हिन्दी कहानी – पुष्पपाल सिंह

18. मानववाद और साहित्य, आधुनिक हिन्दी उपन्यास और मानवीय अर्थवत्ता – नवलकिशोर

19. हिन्दी कहानी : रचना प्रक्रिया और स्वरूप – बटरोही

पाठ्यक्रम की संरचना : बी.ए. (हिन्दी)

सेमेस्टर V

पाठ्यक्रम कोड	: 4.5DCCT16
पाठ्यक्रम का प्रकार	: सेमेस्टर V का अनुशासन विशिष्ट कोर कोर्स I
पाठ्यक्रम का शीर्षक	: **नाटक एवं कथेतर साहित्य**
पाठ्यक्रम का स्तर	: NHEQF Lrj 4-5/5/5-5
पाठ्यक्रम का क्रेडिट	: 6
पाठ्यक्रम का वितरण	: व्याख्यान 5, टयूटोरियल 1

सेमेस्टर V (पाँच)

नाटक एवं कथेतर साहित्य

HIN 4.5 DCC 16

4. Contact Hour/week-06 — लिखित मूल्यांकन : 120
5. Contact Hour/semester-90 — आंतरिक मूल्यांकन : 30
6. Credits Assigned-06 — पूर्णांक : 150

Paper Code- HIN 4.5 DCC 12-A

उद्देश्य -

– विद्यार्थी को आधुनिक हिंदी साहित्य के नाटक एवं कथेतर साहित्य की परंपरा से परिचय करवाना एवं प्रतिनिधि नाटककारों एवं कथेतर लेखकों द्वारा रचित विविध विधाओं के पठन–पाठन के माध्यम से समकालीन जीवन की विलुप्त होती सरसता से उन्हें सम्यक रूप से जोड़ना एवं सह–सम्बन्ध विकसित करना।

– आधुनिक काल के प्रमुख हिन्दी नाटककारों एवं कथेतर लेखकों के रचनाकर्म एवं विविध विधाओं के सैद्धान्तिक ज्ञान का बोध करवाना, जिससे छात्र साहित्य की विविध विधाओं से न केवल परिचित ही हो सके बल्कि विविध रचनाओं से गुजरते हुए अपना संबंध स्थापित कर सके।

परिणाम -

– नाटक और कथेतर विधाओं के अध्ययनोपरांत छात्र में जीवन और संवेदना के प्रति अन्वेषक भाव का उदय एवं तत्संबंधी गुणों का समुचित विकास होगा। आधुनिक काल से लेकर समकालीन नाटक एवं कथेतर साहित्य की यात्रा के प्रमुख पड़ावों के अध्ययन से आलोचनात्मकविवेक एवं विश्लेषण क्षमता के साथ छात्र में संवेदनशीलता का विस्तार होगा एवं साहित्य की गहरी समझ विकसित होगी।

– छात्र आधुनिक जीवन की जटिल परिस्थितियों का विश्लेषण कर नाटक एवं कथेतर साहित्य के माध्यम से समकालीन जीवन के साथ तादात्म्य स्थापित कर सकेगा।

इकाई – 1

हिन्दी नाटक एवं एकांकी : अर्थ, तत्त्व, उद्भव एवं विकास, प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएँ

इकाई – 2

अन्धेर नगरी : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

कबीरा खड़ा बाजार में : भीष्म साहनी

इकाई –3

एक तोला अफीम की कीमत	:	रामकुमार वर्मा
साहब को जुकाम है	:	उपेन्द्रनाथ अश्क
मकड़ी का जाला	:	जगदीश चन्द्र माथुर
आवाज का नीलाम	:	धर्मवीर भारती

इकाई – 4

आत्मकथा	:	सत्य के साथ मेरे प्रयोग महात्मा गाँधी के निम्न अंश – सभ्य पोशाक में, बलवान से भिड़ंत, आत्मिक शिक्षा, शांति निकेतन, खादी का जन्म
यात्रावृतान्त	:	अमृतलाल वेगड़ के निम्न अंश – छिलगाँव से अमरकंटक, अमरकंटक से डिण्डोरी से महाराजपुर, महाराजपुर से ग्वारीघाट
रेखाचित्र	:	महादेवी वर्मा : घीसा
पत्र–लेखन	:	भैया के नाम पाती : रामविलास शर्मा

इकाई – 5

मन की दृढ़ता	:	बालकृष्ण भट्ट
श्रद्धा और भक्ति	:	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
नाखून क्यों बढ़ते हैं	:	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
तमाल के झरोखे से	:	विद्यानिवास मिश्र

संदर्भ –

1. हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास – दशरथ ओझा
2. रंग परम्परा – नेमीचन्द जैन
3. भारतीय नाट्य परम्परा – नेमीचन्द जैन
4. आधुनिक भारतीय रंग परिदृश्य – संपादक जयदेव तनेजा
5. भारतीय नाटक और रंगमंच – जगदीश चतुर्वेदी

6. साहित्य सहचर – हजारीप्रसाद द्विवेद्वी
7. गद्य की सत्ता – रामस्वरूप चतुर्वेदी
8. आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य – डॉ. हरदयाल
9. हिन्दी का कथेतर साहित्य – संपादक माधव हाड़ा
10. हिन्दी का कथेतर गद्य : परम्परा और प्रयोग – दयानिधि मिश्र
11. निबंध, सिद्धान्त और प्रयोग – डॉ. हरिहरनाथ द्विवेद्वी
12. हिन्दी निबन्ध : गणपतिचन्द्र गुप्त
13. हिन्दी के प्रतिनिधि निबंधकार – द्वारकाप्रसाद सक्सेना
14. नया साहित्य नये प्रश्न – आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
15. रचना प्रक्रिया – ओम अवस्थी

सेमेस्टर VI (छह)

अनुसंधान एवं परियोजना कार्य

HIN 4.5 DCC 17

Contact Hour/week-02

Contact Hour/semester-24

Credits Assigned-02 पूर्णांक : 100

Paper Code- HIN 4.5 DCC 17

निम्नांकित विकल्पों में से विद्यार्थी को विभागाध्यक्ष की सहमति से किसी एक विकल्प का चयन कर शोध पर्यवेक्षक के अधीन नियमानुसार निर्धारित अवधि में अपना कार्य निष्पादित कर हिन्दी विभाग में जमा करवाना होगा।

* डीपीआर = लघुशोध प्रबन्ध/प्रोजेक्ट/फील्ड अध्ययन

या

* आईओजे = इंटर्नशिप या ऑन–जॉब अनुभव

या

* सीईई = सामुदायिक संलग्नता अनुभव,

या

* आरसीसी = रिसर्च क्रेडिट कोर्स

या

* पुस्तक समीक्षा